



रीवा संभाग में ई-सूचना स्रोत और उच्च शिक्षा

सुहासिनी श्रीवास्तव, रिसर्च स्कॉलर, डिपार्टमेंट ऑफ़ लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन साइंसेज, मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सीहोर (मध्य प्रदेश)

सारांश

वर्तमान डिजिटल युग में ई-सूचना स्रोतों का उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान है। सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के तीव्र विकास ने शिक्षण, अधिगम, शोध तथा ज्ञान के आदान-प्रदान की प्रक्रियाओं को व्यापक रूप से प्रभावित किया है। ई-पुस्तकें, ई-पत्रिकाएँ, ऑनलाइन डेटाबेस, डिजिटल पुस्तकालय, ई-शोधगंगा, राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय तथा विभिन्न शैक्षणिक वेबसाइटें विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों के लिए ज्ञान प्राप्ति के महत्वपूर्ण माध्यम बन गई हैं। मध्य प्रदेश के रीवा संभाग में उच्च शिक्षा के विस्तार एवं गुणवत्ता संवर्धन की दृष्टि से इन डिजिटल सूचना स्रोतों की उपयोगिता का अध्ययन विशेष महत्व रखता है। रीवा संभाग के महाविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में ई-सूचना स्रोतों का उपयोग शैक्षणिक सामग्री तक पहुँच, शोध कार्यों की गुणवत्ता, स्वाध्याय तथा नवीन ज्ञान के विकास में सहायक हो सकता है। प्रस्तुत शोध का उद्देश्य रीवा संभाग में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं शोधार्थियों के बीच ई-सूचना स्रोतों की उपलब्धता, उपयोग, जागरूकता और प्रभाव का अध्ययन करना है। इसके अंतर्गत डिजिटल संसाधनों के उपयोग की प्रवृत्तियों, इंटरनेट एवं तकनीकी सुविधाओं की उपलब्धता, डिजिटल साक्षरता तथा ई-सूचना स्रोतों के उपयोग में आने वाली प्रमुख समस्याओं का विश्लेषण किया जाएगा। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के शिक्षण संस्थानों के बीच डिजिटल सुविधाओं की असमानता, तकनीकी प्रशिक्षण का अभाव, इंटरनेट की सीमित उपलब्धता तथा विश्वसनीय शैक्षणिक सामग्री की पहचान जैसी चुनौतियाँ इस अध्ययन के महत्वपूर्ण पक्ष हैं। साथ ही, डिजिटल पुस्तकालयों, ऑनलाइन शिक्षण मंचों और मुक्त शैक्षणिक संसाधनों के प्रभावी उपयोग के माध्यम से उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार की संभावनाओं का भी मूल्यांकन किया जाएगा। यह अध्ययन रीवा संभाग में ई-सूचना स्रोतों के बेहतर उपयोग, डिजिटल साक्षरता के विकास तथा उच्च शिक्षा को अधिक सुलभ, समावेशी और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए उपयोगी सुझाव प्रस्तुत करने में सहायक होगा।

मुख्य शब्द: ई-सूचना स्रोत, उच्च शिक्षा, रीवा संभाग, डिजिटल पुस्तकालय, ई-संसाधन, डिजिटल साक्षरता, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, ऑनलाइन शिक्षण, शोध कार्य, शैक्षणिक गुणवत्ता।